

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2784

(जिसका उत्तर मंगलवार, 17 मार्च, 2026/26 फाल्गुन 1947 (शक) को दिया जाना है)

एफपीआई का अत्यधिक पूंजी बहिर्वाह और भारतीय शेयर बाजारों पर इसका प्रभाव

2784. सुश्री सुष्मिता देव:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2025 के दौरान भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) द्वारा कितना बहिर्वाह हुआ है और 2026 से अब तक हुए बहिर्वाह का माह-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्ष 2025 में अब तक कि उच्चतम एफपीआई इक्विटी की बिक्री हुई है और उक्त वर्ष दौरान कुल इक्विटी बहिर्वाह की राशि कितनी है;

(ग) एफपीआई के भारी बिक्री वाले महिनों के दौरान प्रमुख सूचकांकों जैसे सेंसेक्स, एनआईएफटीआई-50 और एनआईएफटीआई-500 में संबंधित उतार-चढ़ाव और गिरावट का प्रतिशत कितना रहा; और

(घ) क्या विदेशी धारिताओं में गिरावट, भारत के शेयर बाजारों में वैश्विक भरोसे की कमी को दर्शाता है; और

(ङ) वैश्विक ब्याज दरों, भू-राजनीतिक जोखिमों और घरेलू नीति जैसे कारकों सहित लगातार हो रहे एफपीआई निकासी के लिए चिह्नित प्रमुख कारण क्या-क्या हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) : वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निवल निवेश इस प्रकार है:

माह	इक्विटी में एफपीआई का निवल निवेश (करोड़ रुपये में)
अप्रैल-25	4,223

मई-25	19,860
जून 25	14,590
जुलाई-25	-17,741
अगस्त-25	-34,993
सितम्बर 25	-23,885
अक्टूबर-25	14,610
नवंबर-25	-3,765
दिसम्बर-25	-22,611
जनवरी-26	-35,962
फरवरी-26	22,615
मार्च-26*	-33,917

* 10 मार्च 2026 तक का डेटा

(स्रोत: एनएसडीएल)

(ख): पिछले पांच वित्तीय वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान एफपीआई के निवल निवेश प्रवाह में अंतर्वाह और बहिर्वाह के वैकल्पिक चरण देखे गए हैं, जो इस प्रकार हैं:

वित्त वर्ष	इक्विटी में एफपीआई का निवल निवेश (करोड़ रुपये में)
2020-21	2,74,032
2021-22	-1,40,010
2022-23	-37,632
2023-24	2,08,212
2024-25	-1,27,041
2025-26*	-96,974

*10 मार्च 2026 तक का डेटा

(स्रोत: एनएसडीएल)

(ग): वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में एफपीआई का निवल निवेश और भारतीय सूचकांकों (जैसे सेंसेक्स, निफ्टी 50 और निफ्टी 500) में संबंधित उतार-चढ़ाव और प्रतिशत में परिवर्तन इस प्रकार हैं:

माह	इक्विटी में एफपीआई का निवल निवेश (करोड़ रुपये में)	सूचकांक में परिवर्तन (निकटतम निकटवर्ती भिन्नता %) *		
		सेंसेक्स	निफ्टी 50	निफ्टी 500
अप्रैल 2025	4,223	3.65	3.46	3.24
मई 2025	19,860	1.51	1.71	3.5
जून 2025	14,590	2.65	3.1	3.58
जुलाई 2025	-17,741	-2.90	-2.93	-2.97
अगस्त 2025	-34,993	-1.69	-1.38	-1.97
सितंबर 2025	-23,885	0.57	0.75	1.21
अक्टूबर 2025	14,610	4.57	4.51	4.29
नवंबर 2025	-3,765	2.11	1.87	0.94
दिसंबर 2025	-22,611	-0.57	-0.28	-0.26
जनवरी 2026	-35,962	-3.46	-3.1	-3.32
फरवरी 2026	22,615	-1.19	-0.56	0.38

(स्रोत: एनएसडीएल, बीएसई, एनएसई)

*सूचकांक में परिवर्तन (निकटतम निकटवर्ती भिन्नता %) का अर्थ है पिछले महीने के समापन स्तर से वर्तमान माह के समापन स्तर तक सूचकांक में प्रतिशत में परिवर्तन।

(घ) और (ङ): एफपीआई के निवल निवेश में परिवर्तन का यह अर्थ नहीं है कि भारतीय शेयर बाजार में वैश्विक विश्वास की कमी है। एफपीआई प्रवाह गतिशील होते हैं और भू-राजनीतिक संकट, व्यापार शुल्क से संबंधित अनिश्चितताएं, वैश्विक निवेशक परिस्थितियां, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और उभरते बाजारों में

वैश्विक निधियों द्वारा पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन जैसे विभिन्न कारकों के आधार पर इनमें परिवर्तन होता रहता है। भारतीय इक्विटियों से हाल ही में एफपीआई का बहिर्वाह उभरते बाजारों में देखी जा रही एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है और यह केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। कई उभरते बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा बिक्री देखी गई है।
